रिविजन – टेस्ट
विषय – हिन्दी(विशिष्ट)
कक्षा – 10वीं
सत्र – 2020-21

पूर्णांक – 80

नोटः–

सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए आबंटित अंक उसके सम्मुख अंकित है–

प्र01 – सही विकल्प चुनकर लिखिए– अंक 05

(1) ' सूरसागर ' का सबसे चर्चित प्रसंग है –
(क) भ्रमरगीत (ख) भ्रमरसार (ग) भ्रमरराग (घ) भ्रमरगीता

(2) ' परम्परा बनाम आधुनिकता ' पाठ के लेखक हैं –
(क) रामवृक्ष बेनीपुरी (ख) प्रेमचन्द
(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी (घ) हरिशंकर परसाई

(3) नर्मदा का उद्गम स्थल है –
(क) नासिक (ख) इलाहाबाद (ग) अमरकंटक (घ) उज्जैन

(4) 'देवकी पुत्र' में समास है –
(क) तत्पुरूष समास (ख) कर्मधारय समास
(ग) द्वन्द्व समास (घ) द्विगु समास

(5) अद्भूत रस का स्थायी भाव है –
(क) रति (ख) विस्मय (ग) उत्साह (घ) निर्वेद

प्र02 – रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये – अंक 05

(1) चतुर चितेरे कूर पंक्ति कवि ..... द्वारा लिखित है। (सूरदास/बिहारी)
(2) आधुनिकता ..... का विरोध करती है। (सम्प्रदाय/परम्परा)
(3) सुश्रुत संहिता में शल्ययंत्रों की संख्या ..... बताई गई है। (101/501)
(4) अर्थ के आधार पर वाक्य के .....भेद हैं। (आठ/तीन)
(5) जिसके प्रति स्थायीभाव उत्पन्न हो, वह ..... कहलाता है। (आलम्बन/उद्दीपन)

प्र03 – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – अंक 05

(1) साधु से क्या नहीं पूछना चाहिए ?
(2) पंजाब केसरी के नाम से कौन प्रसिद्ध हैं ?
(3) शल्य चिकित्सा कि प्रवर्तक कौन हैं ?
(4) उपासना करने वाला क्या कहलाता है ?
(5) 'रस' के कितने अंग होते हैं ?

प्र04 – सही जोड़ी बनाकर लिखिए – अंक 05

(1) ' विनय पत्रिका '	(क) रामवृक्ष बेनीपुरी
(2) 'गेहूँ और गुलाब'	(ख) तुलसीदास
(3) 'लोकसंस्कृति की स्मृति रेखाः नर्मदा'	(ग) अलंकार
(4) करूण रस	(घ) यात्रा-वृत्तांत
(5) वक्रोक्ति	(ड.) शोक

प्र05– सूरदास ने निर्गुण की अपेक्षा सगुण को श्रेयकर क्यों माना हैं ?

अथवा अंक 02

बालक राम की कौनसी क्रियाओं से माताएँ प्रसन्न होती हैं

प्र 06– पीताम्बरधारी श्रीकृष्ण के सौन्दर्य का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

अथवा अंक 02

बालक राम का मुख-सौन्दर्य कैसा है ?

प्र07 रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों के नाम एवं उनकी दो-दो रचनाओं के नाम लिखिए।

अथवा अंक 02

भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र08 – 'शमेशर्म भवेत्तात' वाक्य कृष्ण ने किससे कहा ?

अथवा अंक 02

भाषा की प्राप्ति किस प्रकार होती है ?

प्र09 – गद्य की प्रमुख विधाएँ कौन-कौन सी हैं ?

अथवा अंक 02

उपन्यास और कहानी में कोई दो अंतर लिखिए।

प्र010 –'माई की बगिया' का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा अंक 02

'सुश्रुत संहिता' का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

प्र011 – निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए। अंक 02

(1) मोहन राजगढ़ में रहता है। (निषेधवाचक वाक्य)

(2) मीरा सुन्दर है। (विस्मयादि सूचक वाक्य)

अथवा

'द्वन्द्व समास' की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

प्र012 – वक्रोक्ति अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

अथवा अंक 02

रस की परिभाषा एवं उसके प्रकार लिखिए।

प्र013 – नर्मदा और सोन से संबंधित लोककथा लिखिए।

अथवा अंक 03

भारतीय चिकित्सा विज्ञान का 'स्वर्णयुग' किसे कहा जाता है और क्यों ? लिखिए।

प्र014 – निम्नलिखित शब्दों का समास.विग्रह कर, समास का नाम लिखिए।

(1) भरसक

(2) बाललीला

(3) चिन्तामुक्त

अथवा अंक 03

निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए।

(1) मन के भाव

(2) निरन्तर चलने वाला

(3) महिमा से परिपूर्ण

प्र015 – रस के अंगों का वर्णन कीजिए। अंक 03

अथवा

अतिश्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र016 – महाकवि सूरदास 'अथवा' गोस्वामी तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – अंक 04

(i) दो रचनाएँ

(ii) भावपक्ष

(iii) कलापक्ष

(iv) साहित्य में स्थान

प्र017 – हजारी प्रसाद द्विवेदी 'अथवा' रामवृक्ष बेनी कन्हैया लाल मिश्र का साहित्य परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – अंक 04

(i) दो रचनाएँ

(ii) भाषा

(iii) शैली

(iv) साहित्य में स्थान

प्र018 – निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की व्याख्या संदर्भ, प्रसंग सहित लिखिए – अंक 04

लिखन बैठि जाकी सबी, गहि-गहि गरब गरूर।
भए न केते जगत के, चतुर चितेरे कूर।।

अथवा

वर दंतकी पंगति कुंदकली अधराधर-पल्लव खोलन की।
चपला चमकैं घन बीच जगै छवि मोतिन माल अमोलन की।।

प्र019 – निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की व्याख्या संदर्भ, प्रसंग सहित लिखिए – अंक 04

इतिहास साक्षी है, बहुत बार अकेले चने ने ही भाड़ फोड़ा है; और ऐसा फोड़ा है कि भाड़ में खिल–खिल ही नहीं हो गया, उसका निशान तक ऐसा छूमन्तर हुआ कि कोई यह भी न जान पाया कि वह बेचारा आखिर था कहाँ?

अथवा

गोदोहन से लेकर रातस्य-यज्ञ में पुरोहितों के चरण धोने तक तथा सुदामा की मैत्री से लेकर युद्ध भूमि में गीता के उपदेश तक उनकी ऊँचाई का एक पैमाना है, जिस पर सूर्य की किरणों की रंग-बिरंगी पेटी की तरह हमें आत्मिक विकास के हर एक स्वरूप दर्शन होता हैं।

प्र0 20 – निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए – अंक 05

मनुष्य का जीवन बहुत संघर्षमय होता है। उसे पग–पग पर कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी ईश्वर के द्वारा जो मनुष्य रूपी वरदान की निर्मित इस पृथ्वी पर हुई मानो धरती का रूप ही बदल गया है। यह संसार कर्म करते रहने वाले मनुष्यों के आधार पर ही टिका हुआ है। देवता भी उनसे ईर्ष्या करते हैं। मनुष्य अपने कर्मबल के कारण श्रेष्ट है। धन्य है मनुष्य का जीवन।

प्रश्न– (i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ii) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।
(iii) मनुष्य किस कारण श्रेष्ठ माना गया है?

प्र021 – अपने विद्यालय के प्राचार्य को शाला–शुल्क से मुक्ति हेतु आवेदन–पत्र लिखिए।

अथवा अंक 05

'कोरोना संक्रमण' का सामना कर रहे अपने मित्र को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ होने की सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

प्र022 – **(अ)** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिये। अंक 06

(i) ऑन लाइन कक्षाः वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता
(ii) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन
(iii) कोविड–19 का मानव-जीवन पर प्रभाव
(iv) राष्ट्रीय एकता और अखण्डता

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिये। अंक 03

(i) भारतीय किसान
(ii) पुस्तकालय का महत्त्व
(iii) मेरा प्रिय खेल

——xxx——